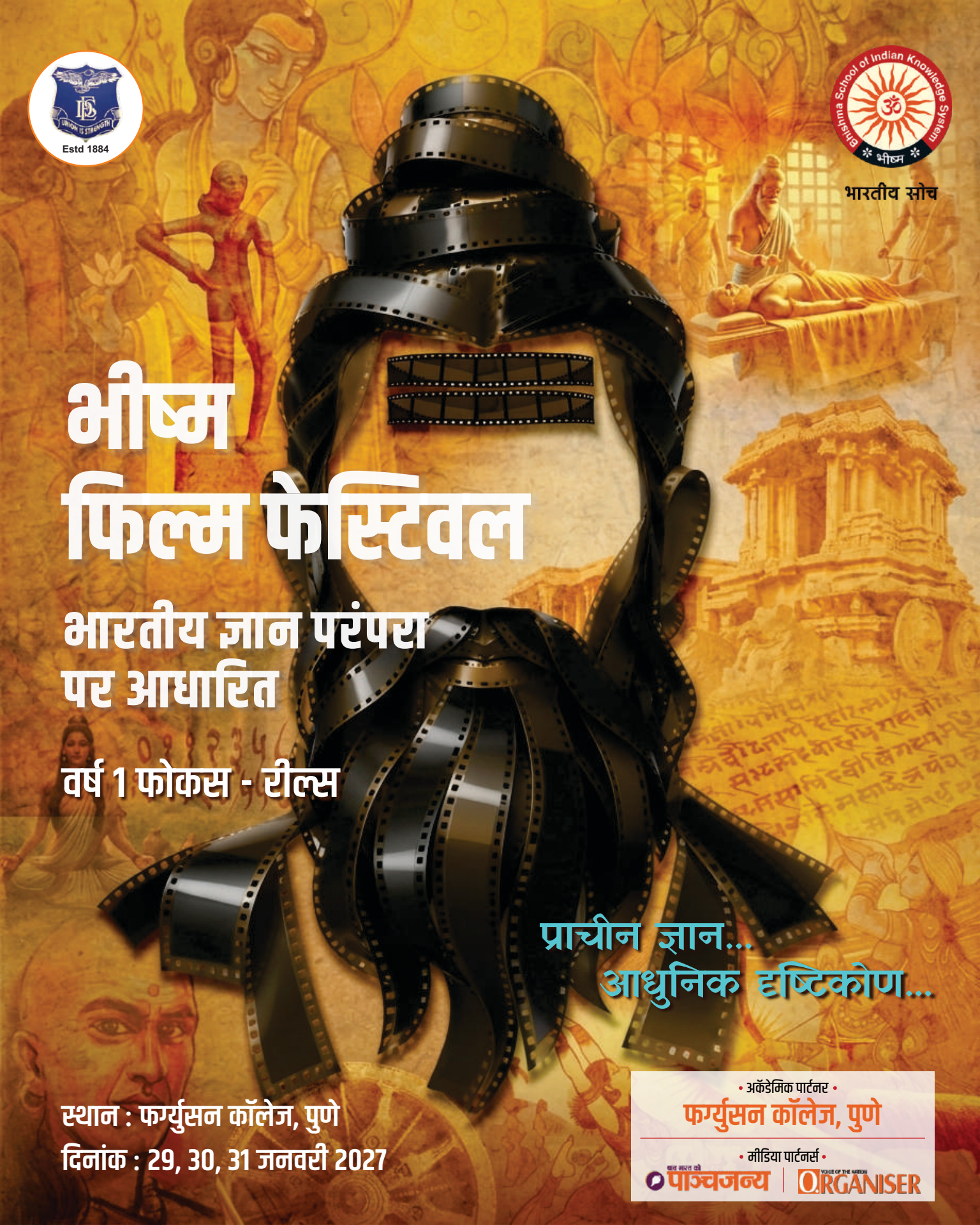

Estd 1884
UNION IS STRENGTH
Bhishma School of Indian Knowledge System
भीष्म
भारतीय सोच
भीष्म
फिल्म फेस्टिवल
भारतीय ज्ञान परंपरा
पर आधारित
वर्ष 1 फोकस - रील्स
प्राचीन ज्ञान...
आधुनिक दृष्टिकोण...
स्थान : फर्ग्युसन कॉलेज, पुणे
दिनांक : 29, 30, 31 जनवरी 2027
• अकॅडेमिक पार्टनर •
फर्ग्युसन कॉलेज, पुणे
• मीडिया पार्टनर्स •
पाञ्चजन्य
ORGANISER

भारतीय ज्ञान परंपरा (इंडियन नॉलेज सिस्टीम)

भारत को हमेशा से ज्ञान का भंडार माना गया है। इसे 'भाया रतां इति भारतम्' के रूप में परिभाषित किया गया है - अर्थात जो ज्ञान के प्रकाश की खोज में लीन है, वही भारत है। भारत की ज्ञान परंपरा को दुनिया के बाकी हिस्सों से जो अलग बनाता है, वह है इसका विज्ञान और आध्यात्मिकता, भौतिकी और तत्त्वमीमांसा का अनूठा मिश्रण। कोई कह सकता है, "भारत की आध्यात्मिकता वैज्ञानिक है और इसका विज्ञान आध्यात्मिक है।" भारत के प्राचीन ऋषियों को यह ज्ञात था कि परम ज्ञान तक पहुँचने के लिए उन्हें ब्रह्मांड की सीमाओं और मानव मन की गहराइयों, दोनों की खोज करनी होगी। ज्ञान की यह गहनता एक रचनात्मक दिमाग को इसके कई पहलुओं की व्याख्या करने और उन्हें आकर्षक तरीके से प्रस्तुत करने की चुनौती और अवसर दोनों प्रदान करती है। हमें पूरा विश्वास है कि भारतीय ज्ञान परंपरा (IKS) पर बनी रील्स ज्ञान के उन विभिन्न विषयों की एक अद्भुत झलक प्रस्तुत करेंगी, जिन्होंने सहस्राब्दियों से मानव प्रगति को आकार दिया है।

भीष्म स्कूल ऑफ इंडियन नॉलेज सिस्टीम

इस महोत्सव का आयोजन 'भीष्म IKS' द्वारा किया जा रहा है, जो भारतीय ज्ञान परंपरा शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रमुख नाम है। पुणे (भारत) और कैलिफोर्निया (यूएसए) में अपने केंद्रों के साथ, भीष्म IKS में ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। भारत और दुनिया के अन्य हिस्सों से लगभग 10,000 छात्र अब तक इन पाठ्यक्रमों से लाभान्वित हो चुके हैं।

भीष्म फिल्म फेस्टिवल

भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित

वर्ष 1 फोकस - रील्स

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) भारतीय ज्ञान परंपरा (IKS) पर विशेष बल देती है, जिसमें विभिन्न विषयों में अध्ययनरत छात्रों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे उन क्षेत्रों की खोज करें जहाँ IKS उनके ज्ञान, बुद्धिमत्ता, व्यक्तित्व और करियर में सकारात्मक मूल्य जोड़ सके।

प्राचीन भारतीय ज्ञान के विशाल भंडार से पुनः जुड़ने में जो समय बीत चुका है, उसे ध्यान में रखते हुए, IKS के प्रति एक उत्सुकता और माहौल बनाना आवश्यक है जो युवाओं को प्राचीन ज्ञान के विभिन्न पहलुओं को तलाशने और उनसे लाभ उठाने के लिए प्रेरित करे।

फिल्म निर्माताओं, छात्रों, इतिहासकारों, संस्कृति के पारखियों और सोशल मीडिया क्रिएटर्स को पुणे आमंत्रित करके, यह ऐतिहासिक महोत्सव गहन भारतीय ज्ञान प्रणालियों को गतिशील, साझा करने योग्य और सिनेमाई उत्कृष्ट कृतियों में रूपांतरित करेगा।

संक्षेप में, यह महोत्सव एक ऐसा सेतु बनेगा जो हमारी गहन प्राचीन विरासत को 21वीं सदी के कंटेंट क्रिएशन की जीवंत ऊर्जा से जोड़ेगा।

आंतरराष्ट्रीय रील्स मेकिंग प्रतियोगिता

पुरस्कार

रील्स : सर्वश्रेष्ठ रील
(तीन मुख्य पुरस्कार)

प्रथम : ₹ 100000/-

द्वितीय : ₹ 75000/-

तृतीय : ₹ 50000/-

श्रेणी



रील्स :
सभी प्रविष्टियों के लिए एक ही श्रेणी

समीक्षक पुरस्कार (5 पुरस्कार)
₹ 25000/- प्रत्येक

उल्लेखनीय प्रविष्टियाँ (10 पुरस्कार)
₹ 10000/- प्रत्येक

क्यूरेटर का संदेश

ऐसे दौर में जहाँ लोगों के ध्यान की अवधि को सेकंडों में मापा जाता है, शॉर्ट-फॉर्म वीडियो, जिसे लोकप्रिय रूप से 'रील' कहा जाता है, में साधारण ऑनलाइन सामग्री से विकसित होकर कहानी कहने की एक गतिशील कला बनने की अपार क्षमता है। भीष्म फिल्म फेस्टिवल का जन्म माइक्रो-सिनेमा की इस क्षमता को भारत के गौरवशाली अतीत तथा आधुनिक जगत की कला और विज्ञान में उसके शाश्वत योगदान के साथ जोड़ने की इच्छा से हुआ है।

भीष्म फिल्म फेस्टिवल (BFF) दुनिया के प्रति अपने प्राचीन राष्ट्र के योगदान को बिना किसी संकोच के गर्व से प्रस्तुत करता है और हर रचनात्मक भारतीय को इस शांतिपूर्ण एवं रचनात्मक सिनेमाई यात्रा में हमारे साथ जुड़ने के लिए आमंत्रित करता है।

BFF में प्रस्तुत इन माइक्रो-सिनेमा या रील कहानियों का मूल्यांकन उनके प्रामाणिक शोध और सिनेमाई उत्कृष्टता के आधार पर किया जाएगा।

- डॉ. नीतिश भारद्वाज

आशीर्वाद



प.पू. स्वामी गोविंददेव गिरि
महासचिव,
राम जन्मभूमि ट्रस्ट, अयोध्या

मुख्य मार्गदर्शक



कोनराड एल्स्ट
आंतरराष्ट्रीय भारतविद्या तज्ज्ञ,
प्रख्यात लेखक



डॉ. गो. बं. देगलूरकर
मूर्तिशास्त्र एवं प्राचीन वास्तुकला
के प्रख्यात विशेषज्ञ

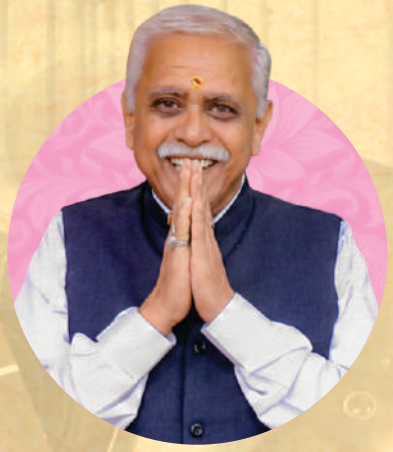


डॉ. कपिल कपूर
प्रख्यात IKS विद्वान,
लेखक एवं शिक्षणतज्ज्ञ

टीम



क्यूरेटर
डॉ. नीतिश भारद्वाज
(फिल्म अभिनेता एवं निर्देशक)



मार्गदर्शक
प्रा. क्षितिज पाटुकले
(संस्थापक, भीष्म IKS फाउंडेशन)



संयोजक
श्री. अभिजित जोग
(प्रख्यात लेखक एवं फिल्म निर्माता)

महत्वपूर्ण तिथियाँ

10 सितंबर, 2026
आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन प्रविष्टियाँ शुरू

30 नवंबर, 2026
प्रविष्टि जमा करने की अंतिम तिथि

30 दिसंबर, 2026
आधिकारिक नामांकनों की घोषणा

29–31 जनवरी, 2027
पुणे में भव्य महोत्सव

प्रविष्टि दिशानिर्देश

- पात्रता : दुनिया भर के रचनाकारों के लिए खुला है।
- मौलिकता : प्रविष्टियाँ मूल सामग्री होनी चाहिए। एनिमेशन, लाइव एक्शन और मिक्स्ड मीडिया सभी स्वीकार्य हैं।
- फॉर्मेट : रील्स वर्टिकली (9:16) शूट की जानी चाहिए।
- भाषा :सभी भाषाएँ स्वीकार्य हैं। अंग्रेजी उपशीर्षक अनिवार्य हैं।
- प्रवेश शुल्क : ₹ 500/- ($10) (अप्रतिदेय/Non-Refundable)
- पोस्टर : JPEG प्रारूप में जमा करना होगा।
- रील का संक्षिप्त विवरण और विस्तृत क्रेडिट सूची PDF प्रारूप में जमा की जानी चाहिए।
- प्रवेश शुल्क का भुगतान करने के बाद ही प्रविष्टि मान्य होगी।
- प्रविष्टि जमा करने की अंतिम तिथि 30 नवंबर 2026 है।
- कॉपीराइट : कॉपीराइट उल्लंघन की पूरी जिम्मेदारी केवल प्रतिभागी की होगी; आयोजक इसके लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।
- जूरी का निर्णय अंतिम और सभी के लिए बाध्यकारी होगा।
- किसी भी प्रश्न के लिए संपर्क करें : +91 8605302010, +91 9156001596

विशेषताएँ

- IKS (भारतीय ज्ञान परंपरा), फिल्म निर्माण, इतिहास और भारतीय संस्कृति के क्षेत्र में स्थापित ट्रैक रिकॉर्ड वाले दिग्गजों द्वारा प्रस्तुत।
- पूरे भारत और दुनिया के अन्य हिस्सों से भागीदारी।
- फिल्म निर्देशन, शिक्षा जगत, सिनेमाटोग्राफी, संगीत और पटकथा लेखन के प्रतिष्ठित पैनल द्वारा प्रबंधित पूर्णतः योग्यता-आधारित (Merit-based) मूल्यांकन प्रणाली।
- विशाल पैमाने पर आयोजन, जिसमें प्रतिभागियों की रचनात्मकता को प्रदर्शित करने के लिए अत्याधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध होंगी।
- प्रसिद्ध विशेषज्ञों द्वारा आयोजित मास्टरक्लास प्रतिभागियों के शैक्षणिक और व्यावहारिक ज्ञान में वृद्धि करेगी।
- प्रख्यात IKS विशेषज्ञों, मुख्यधारा के फिल्म निर्माताओं और डिजिटल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के साथ संवाद और नेटवर्किंग का अवसर।

प्रविष्टि श्रेणी

ग्लोबल IKS रील्स एवं शॉर्ट्स
(इंस्टाग्राम/यूट्यूब प्रारूप
अवधि : अधिकतम 3 मिनट तक)

मुख्य विषयगत स्तंभ

आप निम्नलिखित में से एक या अधिक IKS विषयों से प्रेरणा ले सकते हैं :

	स्तंभ	विषय / निर्माण हेतु विचार
1.	वैदिक साहित्य	संहिताएँ, ब्राह्मण ग्रंथ, उपनिषद, सूत्र, उपवेद, वेदांग, आदी
2.	अन्य प्राचीन साहित्य	पुराण, धर्मशास्त्र, आगम, इतिहास
3.	दार्शनिक ग्रंथ	दर्शन, भाष्य, श्रमण परंपरा के ग्रंथ
4.	प्राचीन विज्ञान	• परा विद्या और अपरा विद्या
		• गणित : संख्या प्रणाली, बीजगणित, रेखागणित, कलन
		• खगोल विज्ञान : सूर्य सिद्धांत, पंचांग
		• चिकित्सा : चरक संहिता
		• शल्य चिकित्सा : सुश्रुत संहिता
		• शल्य प्रक्रियाएँ : मोतियाबिंद, दंत चिकित्सा, मस्तिष्क शल्य चिकित्सा, प्लास्टिक सर्जरी, टीकाकरण, आदी

	स्तंभ	विषय / निर्माण हेतु विचार
		• वास्तुकला
		• नगर नियोजन
		• रसायन शास्त्र
		• धातु विज्ञान
		• वैमानिकी
		• भाषा विज्ञान
		• भौतिकी : परमाणु सिद्धांत
		• विद्युत विज्ञान
		• विश्व में भारतीय ज्ञान का प्रसार
5.	प्राचीन वैज्ञानिक	मयासुर, बौधायन, धन्वंतरि, चरक, सुश्रुत, आर्यभट्ट, ब्रह्मगुप्त, वराहमिहिर, भास्कराचार्य 1 और 2, केरल गणित संप्रदाय, नागार्जुन, आदी
6.	सृष्टि की अवधारणा	नासदीय सूक्त
7.	ब्रह्मांड विज्ञान	ब्रह्मांड की आयु
8.	प्राचीन शिक्षा	गुरुकुल, विश्वविद्यालय
9.	कहानियाँ और खेल	पंचतंत्र, हितोपदेश, कथाकल्पतरू, शतरंज, सांप-सीढ़ी, गंजिफा, आदी
10.	लेखक, कवि और नाटककार	वाल्मीकि, व्यास, कालिदास, भवभूति, भास, बाणभट्ट, आदी
11.	कला के रूप	• नाट्यशास्त्र • मंदिर वास्तुकला (स्थापत्य कला) • रागों का विकास • शास्त्रीय नृत्य शैली
12.	लोक परंपरा	संगीत, नृत्य, चित्रकला
13.	प्राचीन भारत की अर्थव्यवस्था	कृषि, पशुपालन, व्यापार, विनिर्माण, मंदिरों से वित्तीय व्यवस्था, वैश्विक व्यापार
14.	पुरुषार्थ	धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष
15.	आश्रम	ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ, संन्यास
16.	संस्कार	16 संस्कार
17.	पर्यावरण-आध्यात्मिकता	पवित्र उपवन, जल संरक्षण प्रणाली, पंचमहाभूत, आदी

सूचना : ये केवल दिशानिर्देश हैं। IKS (भारतीय ज्ञान परंपरा) का दायरा अत्यंत विशाल है और आप किसी भी अन्य प्रासंगिक विषय का भी चयन कर सकते हैं

|| एत्तद्देशप्रसूतस्य सकाशादग्रजन्मन: स्वं स्वं चरित्रं शिक्षेरन् पृथिव्यां सर्वमानवा: ||

"पृथ्वी के सभी मनुष्यों को भारतवर्ष के दिव्य ऋषियों-मुनियों से श्रेष्ठ ज्ञान सीखना, समझना और ग्रहण करना चाहिए तथा अपने भौतिक और आध्यात्मिक जीवन में हर प्रकार की समृद्धि और प्रसन्नता प्राप्त करने के लिए इसे लागू करना चाहिए।"

शैक्षणिक सहयोगी : फर्ग्युसन कॉलेज, पुणे

भीष्म फिल्म फेस्टिवल का आयोजन भारत के उच्च शिक्षा के ऐतिहासिक संस्थानों में से एक, फर्ग्युसन कॉलेज, पुणे के शैक्षणिक सहयोग से किया जा रहा है। डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी के तहत 1885 में स्थापित, फर्ग्युसन कॉलेज शिक्षा, बौद्धिक जिज्ञासा और राष्ट्र-निर्माण की एक प्रतिष्ठित विरासत समेटे हुए है। इसका शैक्षणिक वातावरण—जो इतिहास, दर्शन, संस्कृति, भाषाओं, मीडिया और भारत की सभ्यतागत परंपराओं के अध्ययन तक फैला हुआ है-भारतीय ज्ञान परंपरा और समकालीन कहानी कला (स्टोरीटेलिंग) को समर्पित महोत्सव के लिए एक सार्थक पृष्ठभूमि प्रदान करता है।

स्थान : फर्ग्युसन कॉलेज, पुणे
संपर्क : +91 8788243526, +91 9309545687
पता : भीष्म फिल्म फेस्टिवल, 'पुण्याई', तीसरी मंजिल, प्लॉट नं. A1, लेन नं. 3, मनमोहन सोसाइटी, सहवास सोसाइटी के पास, पोटनिस परिसर के पीछे, कर्वे नगर, पुणे - 411052 | **ई-मेल :** bff@bhishmaiks.org

फोन नंबर: +91 8605302010, +91 9156001596
वेबसाइट: https://bff.bhishmaiks.org
सोशल मीडिया हैंडल्स :
www.fb.me/bhishmaiks www.twitter.com/bhishmaiks
ऑनलाइन कार्यक्रम को फ़ॉलो करने हेतु हैशटैग :
#ShodhBharatKa #IndicCinema #IKSPune


Estd 1884
UNION IS STRENGTH
Bhishma School of Indian Knowledge System
भीष्म
भारतीय सोच
BHISHMA
FILM FESTIVAL
BASED ON BHARATIYA
GYAN PARAMPARA
YEAR ONE FOCUS - REELS
Ancient Wisdom.
Modern Lenses.
VENUE : FERGUSSON COLLEGE, PUNE
JANUARY 29, 30, 31 2027
• Academic Partner •
Fergusson College, Pune
• Media Partners •
पाञ्चजन्य
ORGANISER

Bharatiya Gyan Parampara (INDIAN KNOWLEDGE SYSTEM)

India has always been known as a reservoir of knowledge. It has been defined as 'भाया रतां इति भारतम्' - one who is engaged in seeking the light of knowledge is Bharat, that is India. What distinguishes Bharat's knowledge tradition from the rest of the world is its unique blend of science and spirituality, physics and metaphysics. One cen say, "India's spirituality is scientific and its science is spiritual." India's ancient seers knew that to reach the ultimate knowledge, they had to explore both, the limits of the universe and the depths of human mind. This profoundity of knowledge offers a creative mind, a challenge and an opportunity to interprete its many facets and present them in an engaging manner. We are sure, the reels on Bharatiya Gyan Parampara (IKS) will present a breathtaking array of knowledge disciplines that have shaped human progress across millennia.

Bhishma School of INDIAN KNOWLEDGE SYSTEM

The Festival is organised by 'Bhishma IKS' a leading name in Indian Knowledge System education. With its centres in Pune, India and California, USA, Bhishma offers a vast range of online courses in IKS. About 10000 students from India and other parts of the world, have so far benefited from these courses.

BHISHMA FILM FESTIVAL

Based on Bharatiya Gyan Parampara

YEAR ONE FOCUS - REELS

The New Education Policy (NEP), places special emphasis on IKS, wherein students pursuing courses in various disciplines are expected to explore the areas where IKS can add value to their knowledge, wisdom, personality and career.

Considering the time that has been lost in reconnecting with the huge reservoir of ancient Indian knowledge, it is necessary to create a buzz around IKS that will inspire the youth to explore various facets of ancient knowledge and benefit from them.

By inviting filmmakers, students, historians, culture connoisseurs, social media creators to Pune, this landmark festival will translate rigorous Indian Knowledge Systems into dynamic, shareable and cinematic masterpieces.

In essence, this Festival will be a bridge that connects the profound ancient heritage with the vibrant energy of 21st century content creation.

International Reels Making Competition

PrizES

Reels : Best Reel
(Three Prizes)

First : Rs. 100000/-

Second : Rs. 75000/-

Third : Rs. 50000/-

CategoRIES



Reels
One category
for all entries

Critic's Awards (5 Awards)
Rs. 25000/- each

Noteworthy : (10 Prizes)
Rs. 10000/- each

CURATOR'S STATEMENT

In an era where attention is measured in seconds, short-form video, popularly called a REEL, has the potential to evolve from amateur online content into a dynamic art form of story-telling. Bhishma Film Festival was born out of a desire to combine these micro-cinema abilities with the glorious past of Bharat and its timeless contributions to the art & science of the modern world.

BFF is unapologetic about its ancient nation's contributions to the world and invites every creative Indian to join us in this pursuit of peaceful & constructive cinematic journey.

These micro-cinema or the Reel stories presented to BFF will be evaluated on their authentic research & cinematic merits.

- Dr. Nitish Bharadwaj

Benediction



P.P. Swami Govinddev Giri
Mahasachiv,
Ram Janmabhumi Trust Ayoddhya

Chief Mentor



Koenraad Elst
International Indologist,
Eminent Author



Dr. G. B. Deglurkar
Renowed Expert in Iconography
& Ancient Architecture

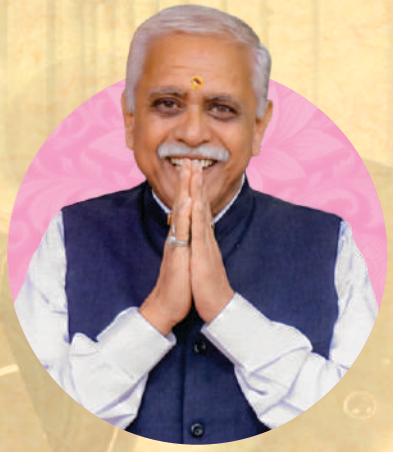


Dr. Kapil Kapoor
Renowed IKS Scholar,
Author & Academician

The TEAM



CURATOR
DR. NITISH BHARADWAJ
(Film Actor & Director)



MENTOR
PROF. KSHITIJ PATUKALE
(Founder, Bhishma IKS Foundation)



CONVENOR
SHRI ABHIJIT JOAG
(Renowned Author & Film Maker)

Important DATES



Submissions Open online via Official Portal



Final Submission Deadline



Announcement of Official Nominations



Grand Festival in Pune

Submission GUIDELINES

- Eligibility: Open to creators worldwide.
- Originality: Submissions must be original content. Animation, live action, and mixed media are all welcome.
- Format: Reels must be shot vertically (9:16).
- All languages accepted. English subtitles compulsory.
- Entry Fee INR 500/- (10$)Non Refundable.
- Poster in JPEG format to be submitted.
- Reel synopsis & Detail Credit List in PDF should be submitted.
- Entry valid only after payment of entry fee
- Last date of submission is 30 November 2026.
- Copyright infringement is sole responsibility of the participant and Organizer will not be responsible.
- Jury decision is final and binding to all.
- For Any Query Contact +91 8605302010, +91 9156001596

FeaturES

- Brought to you by people with proven track record in IKS, Filmmaking, History and Indian Culture.
- Participation from all over India and other parts of the world.
- Strictly merit-based evaluation framework managed by an esteemed panel representing film direction, academics, cinematography, music and screen writing.
- Massive scale that will have state-of-the-art facilities for showcasing the creativity of participants.
- Structured masterclasses by renowned experts will add immense academic and practical value for the attendees.
- Networking opportunity with eminent IKS Expert, mainstream filmmakers, digital media influencers.

Submission CATEGORIES

Global IKS Reels and Shorts
(Instagram / You Tube format.
Duration upto 3 mins.)

Key Thematic PILLARS

You may draw inspiration from one or more of the following IKS disciplines...

	Pillars	Themes / Ideas for Creations
1.	Vedic Literature	Samhitas, Brahmanas Grantha, Upanishadas, Sutras, Upavedas, Vedangas, etc.
2.	Other Ancient Literature	Puranas, Dharmashastras, Agamas, Itihasa
3.	Philosophical Texts	Darshanas, Bhashyas, Texts from Shramana Tradition
4.	Ancient Science	• Para Vidya and Apara Vidya
		• Mathematics : Number System, Algebra, Geometry, Calculus
		• Astronomy: Surya Siddhanta, Panchanga
		• Medicine : Charak Samhita
		• Surgery : Sushrut Samhita
		• Surgeries : Cataract, Dental, Brain, Plastic Surgery, Vaccination, etc.

	Pillars	Themes / Ideas for Creations
		• Architecture
		• Town Planning
		• Chemistry
		• Metallurgy
		• Aeronautics
		• Linguistics
		• Physics : Atomic Theory
		• Electrical Science
		• Dispersal of Indian Knowledge to the world
5.	Ancient Scientists	Mayasura, Bodhayana, Dhanwantari, Charak, Sushrut, Aryabhatta, Brahmagupta, Varahamihira, Bhaskaracharya 1& 2, Kerala School of Mathematicians, Nagarjuna, etc.
6.	Concept of Creation	Nasadiya Sukta
7.	Cosmology	Age of the Universe
8.	Ancient Education	Gurukulas, Universities
9.	Stories and Games	Panchatantra, Hitopadesha, Kathakalpataru, Chess, Snakes and Ladders, Ganjifa, etc.
10.	Authors, Poets and Playwrites	Valmiki, Vyasa, Kalidasa, Bhavabhuti, Bhasa, Banabhatta, etc.
11.	Art Forms	• Natyashastra • Temple Architecture • Evolution of Ragas • Classical Dance Forms
12.	Folk Tradition	Music, Dance, Painting
13.	Economy of Ancient India	Agriculture, Animal Husbandry, Trade, Manufacturing, Finance from Temples, Global trade, etc.
14.	Purusharthas	Dharma, Artha, Kama, Moksha
15.	Ashramas	Brahmacharya, Grihastha, Vanaprastha, Sanyas
16.	Sanskars	16 Sanskaras
17.	Eco-Spirituality	Sacred Groves, Water Conservation Systems, Five Elements (Pancha Mahabhuta), etc.

Note : These are just the guidelines. IKS Scope is very vast and you can select any other relevant topic too.



|| एत्तद्देशप्रसूतस्य सकाशादग्रजन्मनः स्वं स्वं चरित्रं शिक्षेरन् पृथिव्यां सर्वमानवाः ||

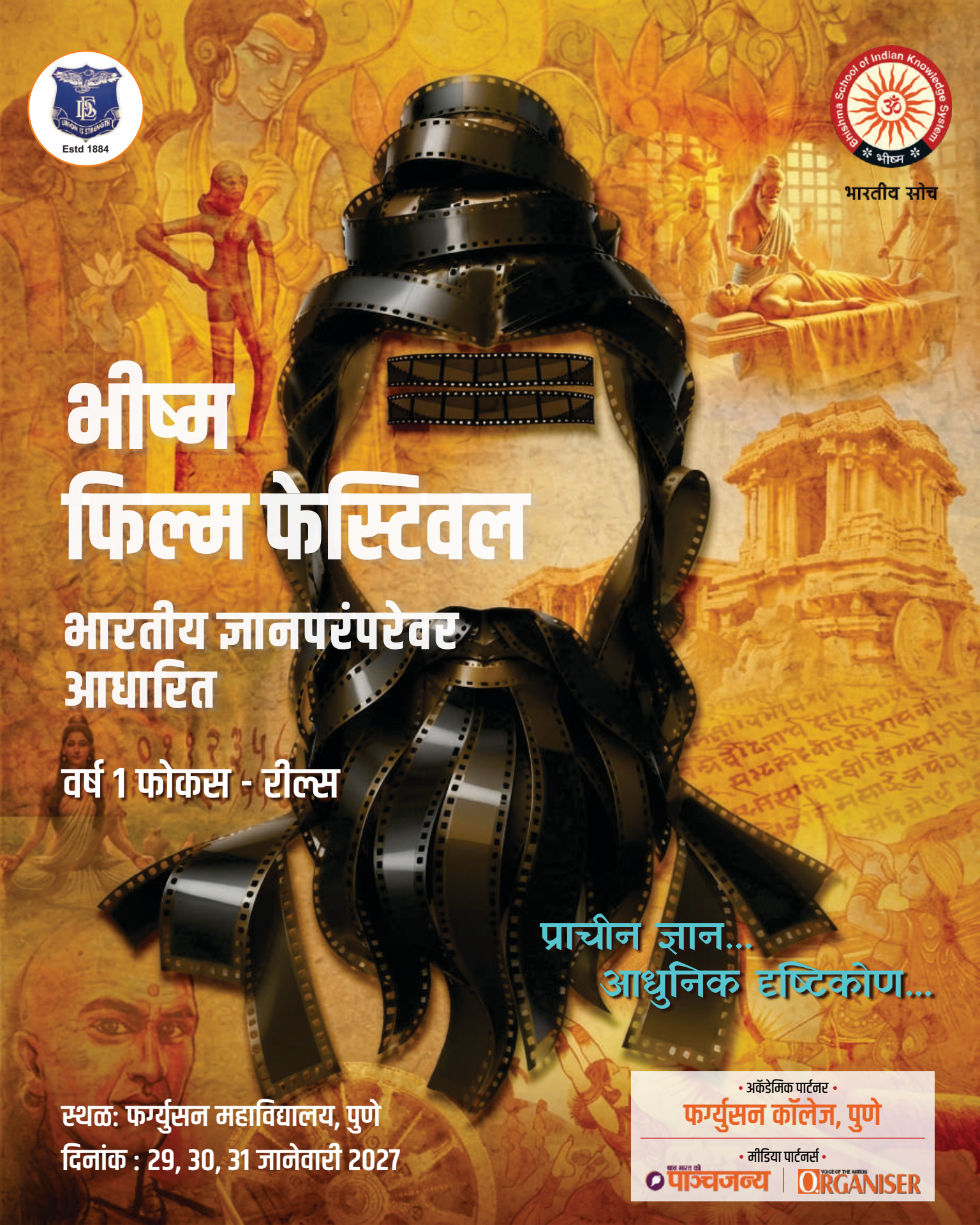
"Human beings everywhere should learn, understand and grasp the noble knowledge from divine Rishis and Sages from Bharatavarsha and apply the same to acquire every kind of prosperity and happiness in their material as well as spiritual life."

Academic Partner : FERGUSSON COLLEGE, PUNE

The Bhishma Film Festival is being held in academic association with Fergusson College, Pune, one of India's historic institutions of higher learning. Established in 1885 under the Deccan Education Society, Fergusson College carries a distinguished legacy of education, intellectual inquiry and nation-building. Its academic environment-spanning history, philosophy, culture, languages, media and the study of Bharat's civilizational traditions-provides a meaningful setting for a festival dedicated to Bharatiya Gyan Parampara and contemporary storytelling.

Venue : Fergusson College, Pune
Connect with us : **+91 8788243526, +91 9309545687**
Address : Bhishma Film Festival, Punyai, 3rd Floor, Plot No. A1, Lane No.3, Manmohan Society, Near Sahawas Society, Behind Potnis Parisar, Karve Nagar Pune - 411052 **| E-mail :** bff@bhishmaiks.org

Phone Nos. : +91 8605302010, +91 9156001596
Web site : https://bff.bhishmaiks.org
Social Media Handles :
www.fb.me/bhishmaiks www.twitter.com/bhishmaiks
Follow the event online using : #BhishmaIKSFilmFest #ShodhBharatKa #IndicCinema #IKSPune


Estd 1884
UNION IS STRENGTH
Bhishma School of Indian Knowledge System
भीष्म
भारतीय सोच
भीष्म
फिल्म फेस्टिवल
भारतीय ज्ञानपरंपरेवर
आधारित
वर्ष 1 फोकस - रील्स
प्राचीन ज्ञान...
आधुनिक दृष्टिकोण...
स्थळ: फर्ग्युसन महाविद्यालय, पुणे
दिनांक : 29, 30, 31 जानेवारी 2027
• अॅकॅडेमिक पार्टनर •
फर्ग्युसन कॉलेज, पुणे
• मीडिया पार्टनर्स •
पाञ्चजन्य
ORGANISER

भारतीय ज्ञान परंपरा (इंडियन नॉलेज सिस्टीम)

भारत हा सदैव ज्ञानाचा स्रोत म्हणून ओळखला गेला आहे. 'भाया रतां इति भारतम्' (ज्ञानाच्या प्रकाशाचा शोध घेण्यात मग्न असलेला तो 'भारत') अशी याची व्याख्या केली जाते. विज्ञान आणि अध्यात्म, तसेच भौतिकशास्त्र आणि तत्त्वमीमांसा यांचा अद्वितीय संगम ही भारताच्या ज्ञान परंपरेची जगापासून वेगळी ओळख आहे. असे म्हणता येईल की, "भारताचे अध्यात्म वैज्ञानिक आहे आणि त्याचे विज्ञान आध्यात्मिक आहे." अंतिम ज्ञानापर्यंत पोहोचण्यासाठी विश्वाच्या सीमा आणि मानवी मनाची खोली या दोन्हीचा शोध घेणे आवश्यक आहे, हे भारतातील प्राचीन ऋषी-मुनींना ज्ञात होते. ज्ञानाची ही सखोलता सर्जनशील मनासमोर एक आव्हान आणि संधी निर्माण करते, ज्यामुळे या ज्ञानाच्या विविध पैलूंचा अर्थ लावून ते आकर्षक पद्धतीने मांडता येतात. आम्हाला खात्री आहे की, 'भारतीय ज्ञान परंपरा' (IKS) वरील या 'रील्स' ज्ञानाच्या अशा विविध शाखांचे विस्मयकारक दर्शन घडवतील, ज्यांनी हजारो वर्षांत मानवी प्रगतीला आकार दिला आहे.

भीष्म स्कूल ऑफ इंडियन नॉलेज सिस्टीम

हा महोत्सव 'भीष्म IKS' द्वारे आयोजित केला जात आहे, भीष्म IKS ही संस्था भारतीय ज्ञान परंपरा शिक्षणाच्या क्षेत्रातील एक अग्रगण्य नाव आहे. पुणे (भारत) आणि कॅलिफोर्निया (अमेरिका) येथे केंद्रे असलेल्या 'भीष्म' संस्थेद्वारे IKS मधील विविध ऑनलाइन अभ्यासक्रम उपलब्ध करून दिले जातात. आतापर्यंत भारत आणि जगाच्या इतर भागांतील सुमारे 10,000 विद्यार्थ्यांनी या अभ्यासक्रमांचा लाभ घेतला आहे.

भीष्म फिल्म फेस्टिवल

भारतीय ज्ञान परंपरेवर आधारित

वर्ष 1 फोकस - रील्स

नवीन शैक्षणिक धोरणात (NEP) 'भारतीय ज्ञान प्रणाली'वर (IKS) विशेष भर देण्यात आला आहे. यामध्ये विविध शाखांमधील अभ्यास करणाऱ्या विद्यार्थ्यांनी अशा क्षेत्रांचा शोध घेणे अपेक्षित आहे जिथे IKS त्यांच्या ज्ञान, प्रज्ञा, व्यक्तिमत्त्व आणि करिअरमध्ये मोलाची भर घालू शकेल.

प्राचीन भारतीय ज्ञानाच्या अफाट भांडाराशी पुन्हा नाते जोडण्याच्या प्रक्रियेत जो वेळ वाया गेला आहे, तो लक्षात घेता IKS बाबत अशी काही चर्चा किंवा उत्साह निर्माण करणे आवश्यक आहे, ज्यामुळे तरुणांना प्राचीन ज्ञानाच्या विविध पैलूंचा शोध घेण्याची आणि त्याचा लाभ घेण्याची प्रेरणा मिळेल.

चित्रपट निर्माते, विद्यार्थी, इतिहासकार, संस्कृतीप्रेमी आणि सोशल मीडियावरील आशयनिर्माते (content creators) यांना पुण्यात एकत्र आणून, हा महत्त्वपूर्ण महोत्सव भारतीय ज्ञान प्रणालीचे सखोल ज्ञान प्रभावी, सहज शेअर करण्यायोग्य आणि उत्कृष्ट अशा चित्रपट-कृतींमध्ये रूपांतरित करेल.

थोडक्यात सांगायचे तर, हा महोत्सव प्राचीन समृद्ध वारसा आणि 21 व्या शतकातील आशयनिर्मितीची चैतन्यमय ऊर्जा यांना जोडणारा एक दुवा ठरेल.

आंतरराष्ट्रीय रील्स मेकिंग स्पर्धा

पारितोषिके

रील्स : सर्वोत्तम रील
(तीन पारितोषिके)

प्रथम : ₹ 100000/-

द्वितीय : ₹ 75000/-

तृतीय : ₹ 50000/-

श्रेणी

रील्स:
सर्व प्रवेशिकांसाठी
एकच श्रेणी

समीक्षक पुरस्कार (5 पारितोषिके)
₹ 25000/- प्रत्येकी

विशेष उल्लेखनीय (10 पारितोषिके)
₹ 10000/- प्रत्येकी

क्युरेटर संदेश

ज्या युगात अवधान कक्षा सेकंदांमध्ये मोजली जाते, त्या युगात 'रील' म्हणून लोकप्रिय असलेल्या लघुरूप व्हिडिओमध्ये, हौशी ऑनलाइन सामग्रीमधून कथाकथनाच्या एका गतिमान कला प्रकारात विकसित होण्याची क्षमता आहे. या सूक्ष्म-चित्रपट क्षमतांना भारताच्या गौरवशाली भूतकाळाशी आणि आधुनिक जगाच्या कला व विज्ञानातील त्याच्या कालातीत योगदानाशी जोडण्याच्या इच्छेतून भीष्म फिल्म फेस्टीव्हल महोत्सवाचा जन्म झाला आहे.

BFF आपल्या प्राचीन राष्ट्राच्या जगाला दिलेल्या योगदानाबद्दल कोणताही संकोच न बाळगता आणि प्रत्येक सर्जनशील भारतीयाला या शांततापूर्ण व विधायक चित्रपट प्रवासात आमच्यासोबत सहभागी होण्यासाठी आमंत्रित करीत आहोत.

BFF समोर सादर होणाऱ्या या सूक्ष्म-चित्रपटांचे किंवा 'रील' कथांचे मूल्यांकन त्यांच्या अस्सल संशोधन आणि चित्रपटविषयक गुणवत्तेच्या आधारावर केले जाईल.

- डॉ. नीतिश भारद्वाज

आशीर्वाद



प.पू. स्वामी गोविंददेव गिरि
महासचिव,
राम जन्मभूमि ट्रस्ट, अयोध्या

मुख्य मार्गदर्शक



कोनराड एल्स्ट
आंतरराष्ट्रीय भारतविद्या तज्ज्ञ,
प्रख्यात लेखक



डॉ. गो. बं. देगलूरकर
प्रतिमाशास्त्र आणि
प्राचीन वास्तुकलेतील प्रख्यात तज्ज्ञ

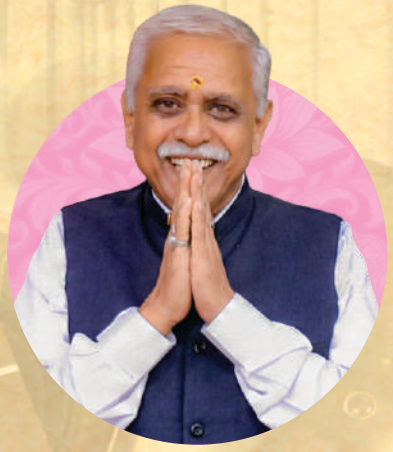


डॉ. कपिल कपूर
IKS क्षेत्रातील प्रख्यात अभ्यासक,
लेखक आणि शिक्षणतज्ज्ञ

आयोजन समिती



क्यूरेटर
डॉ. नीतिश भारद्वाज
(चित्रपट अभिनेता आणि दिग्दर्शक)



मार्गदर्शक
प्रा. क्षितिज पाटुकले
(संस्थापक, भीष्म IKS फाउंडेशन)



संयोजक
श्री. अभिजित जोग
(प्रसिद्ध लेखक आणि चित्रपट निर्माते)

महत्त्वाच्या तारखा

10 सप्टेंबर, 2026

अधिकृत पोर्टलद्वारे ऑनलाइन नोंदणीची सुरुवात

30 नोव्हेंबर, 2026

नोंदणी सादर करण्याची अंतिम मुदत

30 डिसेंबर, 2026

अधिकृत नामांकनांची घोषणा

29–31 जानेवारी, 2027

पुणे येथे भव्य महोत्सव

नोंदणीबाबतची मार्गदर्शक तत्त्वे

- पात्रता : जगभरातील निर्मात्यांसाठी खुले.
- मौलिकता : सादर केलेली कलाकृती स्वतःची (मौलिक) असावी. ॲनिमेशन, लाइव्ह ॲक्शन आणि मिश्र माध्यमांचा समावेश असलेल्या कलाकृतींचे स्वागतआहे.
- स्वरूप : रील्स उभी(9:16) चित्रीत केलेली असावीत.
- भाषा : सर्व भाषा स्वीकारल्या जातील. इंग्रजी उपशीर्षके (subtitles) अनिवार्य आहेत.
- प्रवेश शुल्क : ₹500/-($10) (Non-Refundable)
- पोस्टर JPEG स्वरूपात सादर करणे आवश्यक आहे.
- रील चा सारांश आणि तपशीलवार श्रेय यादी PDF स्वरूपात सादर करावी.
- प्रवेश शुल्क भरल्यानंतरच प्रवेश ग्राह्य धरला जाईल.
- नोंदणी करण्याची अंतिम तारीख 30 नोव्हेंबर 2026 आहे.
- कॉपीराइट उल्लंघनाची संपूर्ण जबाबदारी सहभागीची असेल; आयोजक त्यास जबाबदार राहणार नाहीत.
- परीक्षकांचा निर्णय अंतिम आणि सर्वांवर बंधनकारक असेल
- कोणत्याही शंका किंवा माहितीसाठी +91 8605302010, +91 9156001596 या क्रमांकांवर संपर्क साधावा.

वैशिष्ट्ये

- IKS (भारतीय ज्ञान प्रणाली), चित्रपट निर्मिती, इतिहास आणि भारतीय संस्कृती या क्षेत्रांत सिद्धहस्त अनुभव असलेल्या तज्ज्ञांद्वारे आयोजित.
- भारतभरातून आणि जगाच्या इतर भागांतून सहभाग.
- चित्रपट दिग्दर्शन, शिक्षण क्षेत्र, सिनेमॅटोग्राफी, संगीत आणि पटकथा लेखन या क्षेत्रांतील मान्यवरांच्या समितीद्वारे पूर्णपिणे गुणवत्तेवर आधारित मूल्यमापन.
- सहभागींच्या सर्जनशीलतेचे प्रदर्शन करण्यासाठी अत्याधुनिक सुविधांनी सज्ज असलेली भव्य व्यासपीठाची उपलब्धता.
- प्रख्यात तज्ज्ञांच्या मार्गदर्शनाखालील विशेष सत्रे (मास्टरक्लासेस), ज्यामुळे उपस्थितांना मोलाचे शैक्षणिक आणि व्यावहारिक ज्ञान मिळेल.
- IKS क्षेत्रातील तज्ज्ञ, मुख्य प्रवाहातील चित्रपट निर्माते आणि डिजिटल मीडिया इन्फ्लुएन्सर्स यांच्याशी संवाद व नेटवर्किंगची संधी.

नोंदणी श्रेणी

जागतिक IKS रील्स आणि शॉर्ट्स
(इंस्टाग्राम/यूट्यूब स्वरूप
कालावधी 3 मिनिटांपर्यंत)

मुख्य विषयाधारित आधारस्तंभ

तुम्ही खालीलपैकी एका किंवा अधिक भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS) शाखांमधून प्रेरणा घेऊ शकता...

	आधारस्तंभ	निर्मितीसाठी विषय / कल्पना
1.	वैदिक साहित्य	संहिता, ब्राह्मण ग्रंथ, उपनिषदे, सूत्रे, उपवेद, वेदांगे, इ.
2.	इतर प्राचीन साहित्य	पुराणे, धर्मशास्त्रे, आगम, इतिहास
3.	दार्शनिक ग्रंथ	दर्शने, भाष्ये, श्रमण परंपरेतील ग्रंथ
4.	प्राचीन विज्ञान	• परा विद्या आणि अपरा विद्या
		• गणित : संख्या पद्धती, बीजगणित, भूमिती, कलनशास्त्र
		• खगोलशास्त्र : सूर्य सिद्धांत, पंचांग
		• वैद्यकशास्त्र : चरक संहिता
		• शल्यचिकित्सा : सुश्रुत संहिता
		• शस्त्रक्रिया : मोतीबिंदू, दंतचिकित्सा, मेंदूविषयक, प्लास्टिक सर्जरी, लसीकरण, इ.

	आधारस्तंभ	निर्मितीसाठी विषय / कल्पना
		• वास्तुकला
		• नगररचना
		• रसायनशास्त्र
		• धातूशास्त्र
		• विमानशास्त्र
		• भाषाशास्त्र
		• भौतिकशास्त्र: अणुसिद्धांत
		• विद्युतशास्त्र
		• भारतीय ज्ञानाचा जगभर प्रसार
5.	प्राचीन शास्त्रज्ञ	मयासुर, बौधायन, धन्वंतरी, चरक, सुश्रुत, आर्यभट्ट, ब्रह्मगुप्त, वराहमिहीर, भास्कराचार्य 1 व 2, केरळ गणितज्ञ परंपरा, नागार्जुन, इ.
6.	निर्मितीची संकल्पना	नासदीय सूक्त
7.	विश्वशास्त्र	विश्वाचे वय
8.	प्राचीन शिक्षण	गुरुकुले, विद्यापीठे
9.	कथा आणि खेळ	पंचतंत्र, हितोपदेश, कथाकल्पतरू, बुद्धिबळ, साप-शिडी, गंजिफा, इ.
10.	लेखक, कवी आणि नाटककार	वाल्मिकी, व्यास, कालिदास, भवभूती, भास, बाणभट्ट, इ.
11.	कलाप्रकार	• नाट्यशास्त्र • मंदिर वास्तुकला (स्थापत्य कला) • रागांचा विकास • शास्त्रीय नृत्यप्रकार
12.	लोकपरंपरा	संगीत, नृत्य, चित्रकला
13.	प्राचीन भारताची अर्थव्यवस्था	कृषी, पशुसंवर्धन, व्यापार, उत्पादन, वित्तव्यवस्था, वैश्विक व्यापार, इ.
14.	पुरुषार्थ	धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष
15.	आश्रम	ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ, संन्यास
16.	संस्कार	16 संस्कार
17.	पर्यावरण-आध्यात्मिकता	पवित्र उपवने (देवराई), जलसंधारण प्रणाली, पंचमहाभूते, इ.

टीप : ही केवळ मार्गदर्शक तत्त्वे आहेत; IKS (भारतीय ज्ञान प्रणाली) ची व्याप्ती खूप मोठी आहे आणि तुम्ही इतर कोणताही संबंधित विषय निवडू शकता.



|| एत्तद्देशप्रसूतस्य सकाशादग्रजन्मन: स्वं स्वं चरित्रं शिक्षेरन् पृथिव्यां सर्वमानवा: ||

"पृथ्वीवरील सर्व मानवांनी भारतामध्ये जन्मलेल्या ऋषी-मुनींकडून श्रेष्ठ ज्ञान आत्मसात करावे आणि आपल्या ऐहिक व आध्यात्मिक जीवनात सर्व प्रकारची समृद्धी व आनंद प्राप्त करण्यासाठी त्याचा अंगीकार करावा."

शैक्षणिक भागीदार : फर्ग्युसन महाविद्यालय, पुणे

भीष्म फिल्म फेस्टिवल हा भारतातील उच्च शिक्षणाच्या ऐतिहासिक संस्थांपैकी एक असलेल्या पुणे येथील फर्ग्युसन महाविद्यालयाच्या शैक्षणिक सहयोगाने आयोजित केला जात आहे. 1885 मध्ये 'डेक्कन एज्युकेशन सोसायटी' अंतर्गत स्थापन झालेल्या फर्ग्युसन महाविद्यालयाचा शिक्षण, बौद्धिक चिंतन आणि राष्ट्रनिर्मितीचा एक गौरवशाली वारसा आहे. इतिहास, तत्त्वज्ञान, संस्कृती, भाषा, प्रसारमाध्यमे आणि भारताच्या सांस्कृतिक-सभ्यतेच्या परंपरांचा अभ्यास अशा विविध क्षेत्रांचा समावेश असलेले येथील शैक्षणिक वातावरण, 'भारतीय ज्ञान परंपरा' आणि 'समकालीन कथाकथन' यांना वाहिलेल्या या महोत्सवासाठी एक अत्यंत समर्पक पार्श्वभूमी प्रदान करते.

स्थळ : फर्ग्युसन कॉलेज, पुणे
संपर्क : +91 8788243526, +91 9309545687
पत्ता : भीष्म फिल्म फेस्टिव्हल, पुण्याई, तिसरा मजला, प्लॉट क्र. A1, लेन क्र. 3, मनमोहन सोसायटी, सहवास सोसायटीजवळ, पोतनीस परिसराच्या मागे, कर्वे नगर पुणे - 411 052 | **ई-मेल :** bff@bhishmaiks.org

मोबाईल : +91 8605302010, +91 9156001596
वेबसाइट : https://bff.bhishmaiks.org
सोशल मीडिया हँडल्स :
www.fb.me/bhishmaiks www.twitter.com/bhishmaiks

या हॅशटॅगचा वापर करून कार्यक्रमाचे ऑनलाइन अनुसरण करा :
#ShodhBharatKa #IndicCinema #IKSPune